2010-11 में रेल बजट की विशेषताएं

प्रस्तावना

- आर्थिक लाभप्रदता तथा सामाजिक उत्तरदायित्व - परियोजनाएं शुरू करने का मुख्य दृष्टिकोण.
- देश के विकास के लिए 'रेल नेटवर्क का समावेशी विकास और विस्तार'.
- 100 दिनों के भीतर निवेशों का प्रस्ताव निपटाने के लिए विशेष कार्य बल.
- व्यावसायिक मॉडलों के क्रियान्वयन के लिए रेलवे के अंदर एक अलग संरचना का सृजन किया जाएगा.

पूरी की गई वचनबद्धताएं

- नई रेलगाड़ियों, चालन क्षेत्र बढ़ाने और फेरे बढ़ाने की 120 घोषणाओं में से 117 को मार्च, 2010 तक झंडी दिखा दी जाएगी.
- रेल भर्ती बोर्डों की भर्ती नीति की समीक्षा की गई है.
- महिला उम्मीदवारों और अल्प समुदायों एवं आर्थिक रूप से पिछड़े वर्गों से संबंधित उम्मीदवारों के लिए रेल भर्ती बोर्डों का परीक्षा शुल्क माफ कर दिया गया.
- सभी प्रश्न पत्र हिंदी, उर्दू, अंग्रेजी और स्थानीय राज्य भाषाओं में बनाए जाएंगे और एक पद विशेष के लिए परीक्षा सभी रेल भर्ती बोर्डों द्वारा एक साथ आयोजित की जाएगी.
- इज्जत योजना को घोषणा के तीन महीने के अंदर क्रियान्वित कर दिया गया.
- सभी **67 मल्टी-फंक्शनल परिसरों (एमएफसी) में कार्य शुरू कर दिया गया है. आदर्श स्टेशनों** का विकास कार्य चरणों में शुरू किया गया है.

यात्री सुविधाएं

- 94 स्टेशनों का आदर्श स्टेशनों के रूप में उन्नयन किया जाएगा.
- 10 अन्य स्टेशनों को विश्व स्तरीय स्टेशनों के रूप में परिवर्तित करने के लिए चिह्नित किया गया है.
- 93 अतिरिक्त मल्टी-फंक्शनल परिसरों का निर्माण.
- पी पी पी मार्ग के माध्यम से मल्टी-लेवल पार्किंग.
- सस्ता बोतलबंद पेय जल उपलब्ध कराने के लिए पी पी पी के माध्यम से स्वच्छ पेय जल के छह बोटलिंग संयंत्र लगाए जाएंगे.

- आरक्षण स्थिति और रेलगाड़ियों के समयपालन के बारे में यात्रियों को एस.एम.एस. अपडेट्स.
- माल यातायात ग्राहकों को मालडिब्बों के संचलन के बारे में एस.एम.एस. अपडेट्स.
- मालडिब्बों का पता लगाने के लिए आर एफ आई डी प्रौद्योगिकी .
- सभी महत्त्वपूर्ण स्टेशनों पर आधुनिक ट्रॉलियां उपलब्ध कराई जाएंगी जिनका सम्हलाई कार्य वर्दीधारी परिचारकों द्वारा किया जाएगा.
- लौह अयस्क रेकों के आवंटन को वैज्ञानिक विधि से युक्तिसंगत बनाया जाएगा और वेब के माध्यम से सुगम्य बनाया जाएगा.
- टिकट जारी करने के लिए ई-टिकट आधारित सचल वैनों की शुरुआत.

संरक्षा और सुरक्षा

- लंबी दूरी की 20 रेलगाड़ियों में स्वचल अग्नि एवं धुआं संसूचन प्रणाली लगाई जाएगी.
- सभी बिना चौकीदार वाले समपारों पर पांच वर्षों में चौकीदार तैनात किए जाएंगे.
- 'महिला वाहिनी' के नाम से महिला रेसुब कार्मिकों की 12 कंपनियों का गठन किया जाएगा.

खेलकूद

- रेलवे राष्ट्रीय खेल प्रोत्साहन पुरस्कार की प्रथम विजेता है.
- दिल्ली, सिकंदराबाद, चेन्नै, कोलकाता और मुम्बई में पांच खेलकूद अकादमियों की स्थापना की जाएगी.
- हॉकी के लिए और अधिक जगहों पर एस्ट्रो-टर्फ उपलब्ध कराए जाएंगे.
- राष्ट्रमंडल खेलों में रेलवे अग्रणी भागीदार रहेगी.
- रेलवे एक राष्ट्रमंडल प्रदर्शनी रेलगाड़ी चलाएगी.

संस्कृति और धरोहर

- रेलवे पर सभी संबंधित गतिविधियों का समन्वय और पर्यवेक्षण करने के लिए एक रेल संस्कृति एवं धरोहर संवर्धन बोर्ड का गठन.
- रबीन्द्रनाथ टैगोर के 150 वें जन्मदिवस के उपलक्ष्य में हवड़ा में रबीन्द्र संग्रहालय और बोलपुर में गीतांजलि संग्रहालय की स्थापना करना.
- प्रदर्शन कलाओं के साथ शम्भू मित्रा सांस्कृतिक परिसर और हवड़ा में एक संगीत अकादमी स्थापित करना.

कर्मचारी कल्याण और स्वास्थ्य

- शहरी विकास मंत्रालय की सहायता से अगले दस वर्षों में सभी रेल कर्मचारियों को आवास उपलब्ध कराने के लिए एक नई योजना 'सभी के लिए आवास' शुरू की जाएगी.
- अधिशेष रेल भूमि पर अस्पताल और शैक्षिक संस्थान स्थापित करने के लिए स्वास्थ्य मंत्रालय और मानव संसाधन विकास मंत्रालय के साथ समझौता ज्ञापन किया गया है.

- रेल कर्मचारियों और उनके बच्चों के लाभार्थ लगभग 522 अस्पताल एवं नैदानिक केंद्र, 50 केंद्रीय विद्यालय, नवोदय विद्यालय की तर्ज पर 10 आवासीय विद्यालय, मॉडल डिग्री कालेज और राष्ट्रीय महत्व के तकनीकी एवं प्रबंधन संस्थान स्थापित किए जाएंगे.

- महिला कर्मचारियों के बच्चों के लिए 50 वात्सालय और 20 होस्टल स्थापित किए जाएंगे. रेलवे अधिक संख्या में सामुदायिक केंद्र और स्टेडियम भी उपलब्ध कराएगी.
- कर्मचारी कल्याण निधि में अंशदान को बढ़ाकर 500 रुपये प्रति कर्मचारी कर दिया गया है.
- 1800 रुपये ग्रेड वेतन वाले सभी संरक्षा कोटि कर्मचारियों को शामिल करने के लिए संरक्षा-संबंधी सेवानिवृत्ति योजना की परिधि को बढ़ाया जाएगा.
- राष्ट्रीय स्वास्थ्य बीमा योजना जो असंगठित क्षेत्र तथा सामाजिक रूप से उपेक्षित व्यक्तियों से संबंधित है, को सभी लाइसेंसधारी कुलियों, वैंडरों और फेरीवालों के लिए विस्तारित करना.
- खड़गपुर में एक आधुनिक उन्नत लोको पायलट प्रशिक्षण केंद्र, बेलेघाटा में एक उन्नत रेलपथ प्रशिक्षण केंद्र और चार बहुविषयक प्रशिक्षण केंद्रों की स्थापना की जाएगी.

रेल अनुसंधान

- आई आई टी, खड़गपुर में रेल अनुसंधान के लिए एक केंद्र स्थापित किया जाएगा, आई आई टी, एन आई टी, सी एस आई आर और डी आर डी ओ जैसे अग्रणी संस्थानों के साथ सुदृढ़ अनुसंधान भागीदारियां स्थापित करना.

अवसंरचना

- 275 रेलइंजनों के लिए चिरेका की क्षमता का आधुनिकीकरण और संवर्धन.
- संक्रैल में एक डीज़ल मल्टीपल यूनिट (डीएमयू) कारखाना लगाया जाएगा.

- दूसरी यूनिट सडिका में लगाई जाएगी.
- बड़नेरा में मालडिब्बा मरम्मत कारखाना लगाया जाएगा.
- खड़गपुर कारखाने में मालडिब्बा प्रोटोटाइम में उत्कृष्टता केंद्र स्थापित किया जाएगा.
- पी पी पी /संयुक्त उद्यम विधि के अंतर्गत न्यू जलपाईगुडी में एक नया रेल धुरा कारखाना लगाया जाएगा.
- रेल पहिया कारखाना, बेंगलुरू में पहियों के लिए एक डिजाइन विकास एवं परीक्षण केंद्र स्थापित किया जाएगा.
- अनारा (आद्रा) में 250 सवारीडिब्बों की क्षमता वाला एक नया एम एल आर कारखाना लगाया जाएगा.
- सिकंदराबाद, बर्धमान, भुवनेश्वर/कालाहांडी, गुवाहाटी और हल्दिया में पी पी पी/संयुक्त उद्यम विधि के अंतर्गत पांच आधुनिकतम माल डिब्बा सुविधाएं स्थापित की जाएंगी.
- महाराष्ट्र और डानकुनी में उच्च धुरा भार मालडिब्बों के आवधिक ओवरहाल के दो कारखाने लगाए जाएंगे.
- छह स्थानों पर, अर्थात डानकुनी, मछेडा, नासिक, न्यू जलपाईगुडी, न्यू आजादपुर और सिंगुर में पायलट परियोजनाओं के रूप में किसान विज़न परियोजना शुरू की गई है.
- बज बज में पी पी पी विधि पर एक प्रशीतित कंटेनर कारखाना लगाया जाएगा.

माल व्यवसाय

- उच्च क्षमता सामान्य प्रयोजन और विशेष प्रयोजन मालडिब्बों के लिए एक आशोधित मालडिब्बा निवेश योजना शुरू की जाएगी.
- निजी ऑपरेटरों को अवंसरचना में निवेश करने और **विशेष मालगाड़ियां** चलाने की अनुमति दी जाएगी.
- 10 स्थलों पर आटोमोबाइल एवं आनुषंगिक हब स्थापित की जाएगी.

कार्बन फुटप्रिंट

- रेलवे अपने रेल कर्मचारियों के लिए 26 लाख सी एफ एल का वितरण करेगी.
- हरित शौचालयों के साथ दस रेक शुरू किए जाएंगे और डीज़ल रेलइंजनों पर एक जी पी एस आधारित यथेष्ट ड्राइवर मार्गदर्शन प्रणाली संस्थापित की जाएगी.
- रेलवे के जलाशयों और वन क्षेत्रों का संरक्षण एवं संवर्धन करने के लिए 10 रेल ईको-पार्क स्थापित किए जाएंगे.

अन्य परियोजनाएं

- उत्तर-दक्षिण, पूर्व-पश्चिम, पूर्व-दक्षिण और दक्षिण-दक्षिण समर्पित माल गलियारों के लिए प्रारंभिक इंजीनियरी-एवं-यातायात सर्वेक्षण (पेट्स) शुरू किए जाएंगे.
- छह उच्च गति यात्री गलियारों की पहचान की गई है जिनको पी पी पी विधि के माध्यम से निष्पादित किया जाएगा. इन परियोजनाओं के नियोजन, मानदंड स्थापित करने, क्रियान्वयन और निगरानी रखने के लिए एक **राष्ट्रीय उच्च गति रेल प्राधिकरण** की स्थापना की जाएगी।
- **बांग्लादेश छोर पर अखौरा और भारतीय छोर पर अगरताला** के बीच एक रेल संपर्क उपलब्ध कराया जाएगा.
- दोनों देशों के बीच परिवहन अवसंरचना में सुधार लाने के लिए दो नई रेल परियोजनाएं अर्थात् जोगबनी (भारत)-विराट नगर (नेपाल) नई लाइन तथा जय नगर (भारत)-बिजलापुर (नेपाल) आमान परिवर्तन, बरदीबस (नेपाल) तथा विस्तार सहित शुरू की गई हैं.

2009-10 में वित्तीय निष्पादन

- 882 मिलियन टन के लदान लक्ष्य को 2009-10 में 8 मिलियन टन से पार कर लिया जाएगा.
- सकल यातायात प्राप्तियां 88,356 करोड़ रुपये अर्थात 10.7 प्रतिशत की वृद्धि.
- छठे केंद्रीय वेतन आयोग के पूरे प्रभाव को रेलवे के संसाधनों द्वारा पूर्णतया आत्मसात कर लिया गया है.
- वर्तमान लाभांश देयता का पूर्णतया निर्वहन किया जाएगा.
- वार्षिक योजना को 40,284 करोड़ रुपये रखा गया है.

बजट अनुमान 2010-11

- माल लदान के लिए 944 मिलियन टन का लक्ष्य रखा गया है - 54 मिलियन टन की वृद्धि; यात्रियों की संख्या में 5.3 प्रतिशत वृद्धि होने की संभावना है.
- सकल यातायात प्राप्तियां 94,765 करोड़ रुपये रहने का अनुमान है, अर्थात 2009-10 की तुलना में 6490 करोड़ रुपये अधिक.
- सामान्य राजस्व को देय लाभांश 6608 करोड़ रुपये रखा गया है
- बजटीय परिचालन अनुपात 92.3 % रहने का अनुमान है.

वार्षिक योजना 2010-11

- अभी तक सर्वाधिक योजनागत परिव्यय 41,426 करोड़ रुपये, 2009-10 की तुलना में 1142 करोड़ रुपये की वृद्धि.

- नई लाइन - 4411 करोड़ रुपये
- यात्री सुविधाएं - 1302 करोड़ रुपये
- मेट्रो परियोजनाएं - 1001 करोड़ रुपये

- 18000 मालडिब्बों का प्रापण.
- 11 राष्ट्रीय परियोजनाओं के लिए 3701 करोड़ रुपये की अतिरिक्त बजट सहायता मांगी गई है.
- पिछड़े क्षेत्रों को जोड़ने के लिए सामाजिक रूप से वांछनीय 114 परियोजनाओं के लिए सर्वेक्षण शुरू किया जाएगा.
- नई लाइनों के लिए 54 सर्वेक्षण, आमान परिवर्तन के लिए 2, दोहरीकरण के लिए 7 और 5 अन्य सर्वेक्षण शुरू किए जाएंगे.
- पूर्वोत्तर क्षेत्र में रेल अवंसरचना के लिए विकास हेतु पूर्वोत्तर विकास परिषद और संबंधित राज्य प्राधिकरणों के परामर्श के साथ मास्टर प्लान बनाया जाएगा.
- 1021 किलोमीटर नई लाइन पूरी की जाएगी. नई लाइनों की 9 नई परियोजनाओं की घोषणा की गई है.
- 800 किलोमीटर आमान परिवर्तन और 700 किलोमीटर दोहरीकरण का लक्ष्य रखा गया है.
- राज्य सरकारों के साथ लागत में भागीदारी के आधार पर और पी पी पी विधि द्वारा अनेक परियोजनाएं शुरू की जा रही हैं.

रियायतें

- **क्षेत्रीय फिल्म उद्योग के तकनीशियन** फिल्म निर्माण संबंधी कार्य के लिए यात्रा करते समय सभी रेलगाड़ियों में द्वितीय स्लीपर में 75 प्रतिशत छूट और उच्चतर श्रेणियों में 50 प्रतिशत छूट के हकदार होंगे.
- इलाज के लिए जाने वाले **कैंसर रोगियों** के लिए तृतीय वातानुकूल और स्लीपर श्रेणी में 100 प्रतिशत की छूट.
- संवाददाताओं की पत्नी/पति को 50 प्रतिशत की छूट को उन संवाददाताओं जिनकी पत्नी/पति नहीं है, के सहचरों को और 18 वर्ष के आश्रित बच्चों को उपलब्ध कराई गई है.
- ई-टिकट पर सेवा शुल्क **घटाकर** स्लीपर श्रेणी के लिए 10 रुपये और वातानुकूल श्रेणी के लिए 20 रुपये किया गया है.
- घरेलू उपयोग के लिए खाद्यान्न और मिट्टी के तेल की भाड़ा दरों में 100 रुपये प्रति मालडिब्बा की कटौती

नई उपनगरीय सेवाएं

- मुम्बई क्षेत्र में 101 नई उपनगरीय सेवाएं शुरू की जाएंगी.
- चेन्नै और कोलकाता क्षेत्रों में और सेवाएं शुरू की जाएंगी.

विशेष रेलगाड़ियां

- **कविगुरु रबीन्द्रनाथ टैगोर के 150 वें जन्मदिवस** के उपलक्ष्य में पूरे देश में संस्कृति एक्सप्रेस चलाई जाएगी. इस गाड़ी को बंगलादेश ले जाने का भी प्रस्ताव है.
- महिला विशेष रेलगाड़ियों का नाम बदलकर 'मातृभूमि विशेष' किया जाएगा.
- 'कर्मभूमि रेलगाड़ियों' के नाम से 3 अनारक्षित रेलगाड़िया शुरू की जाएंगी.
- अहमदाबाद और उधमपुर के बीच एक नई साप्ताहिक एक्सप्रेस रेलगाड़ी सेवा 'जन्मभूमि एक्सप्रेस' शुरू की जाएगी.
- 16 मार्गों पर **'भारत तीर्थ'** नामक विशेष पर्यटक रेलगाड़ियां.
- 6 लंबी दूरी की दुरांतो रेलगाड़ियों और 4 कम दूरी की दुरांतो दिनकालिक रेलगाड़ियां शुरू की जाएंगी.

अन्य नई रेलगाड़ी सेवाएं

- 54 नई रेलगाड़ी सेवाएं शुरू की जाएंगी.
- 28 नई यात्री गाड़ी सेवाएं, 9 मेमू और 8 डेमू सेवाएं शुरू की जाएंगी.
- 21 रेलगाड़ियों का चालन - क्षेत्र बढ़ाने और 12 रेलगाड़ियों के फेरे बढ़ाने की घोषणा की गई है.

*****